



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 77]

नई दिल्ली, शनिवार, प्रप्रैल 24, 1982/वैशाख 4, 1904

No. 77] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1982/VAISAKHA 4, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

### वाणिज्य भंडालय

(आधार व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 22 आई टी सी (पी.एन.)/82

नई दिल्ली 24 प्रप्रैल, 1982

विषय:— 1981-82 के लिए येन 1.5 विभिन्न जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में छोटे आकार की इस्पात की छड़ों और पत्तों को यातायात के लिए आवश्यक उनकी सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस दिये।

विभिन्न सं. आई.पी.टी. 23(28)/82 से जारी—1981-82 के लिए जापान से छोटे आकार की इस्पात की छड़ों और सेवाओं के आयात के लिए येन 1.5 विभिन्न जापानी अनुदान सहायता के प्रत्यर्थी आयात लाइसेंस जारी करने के लिए लागू जैसी गते हस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, उन्हें जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक,  
आयात एवं नियन्त्रित

वाणिज्य विभाग मार्वजनिक सूचना सं. आईटीसी (पी.एन.)/82  
दिनांक 1982 की परिशिष्ट

1981-82 के लिए येन 1.5 विभिन्न जापानी अनुदान सहायता के प्रत्यर्थी जापान से भारत में छोटे आकार की इस्पात की छड़ों और पत्तों को यातायात के लिए आवश्यक उनकी सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस दिये।

### खंड-1 लोमाच्य शर्तें

1 (1) 1981-82 के लिए येन 1.5 विभिन्न (लागत एवं भाव) की जापानी अनुदान सहायता का उपयोग भारतीय इस्पात प्राधिकारण लिमिटेड, द्वारा भारत में छोटे आकार की इस्पात की छड़ों और पत्तों में यातायात की आवश्यक उनकी सेवाओं के आयात के लिए जापानी संस्करणों को विशेष भुगतान के लिए किया जाएगा। यह अनुदान सहायता 5.2.1983 तक बैध है।

1 (2) बैंक आफ ईडिया, टोकियो को भुगतान किए जाने वाले सभी बैंक प्रशार सामान्य बैंक प्रणालियों के माध्यम से प्रवित किए जाएंगे। भारतीय अधिकर्ता के कमीशन का भुगतान, यदि कोई हो तो, भारत में अभिकर्ता को भारतीय रूपए में किया जाना चाहिए।

1 (3) इस अनुदान सहायता के प्रत्यर्थी इस्पात की छड़ों और उनकी अनुसंधानी सेवाओं की अधिप्राप्ति केवल जापान से ही की जाएगी।

1 (4) संविदा में भुगतान की व्यवस्था नक्श आधार अधारित बैंक आफ ईडिया, टोकियो को जापानी संस्करणों द्वारा लावाम वस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर करना चाहिए। वितरण की अवधि निम्नप्रकार से होनी चाहिए :-

"वितरण 31.1.1983 तक पूर्ण हो जाना चाहिए"

1 (5) संविदा का मूल्य (केवल लागत एवं भाव के आधार पर) येन में (येन का अंश हटा देना चाहिए) प्रदिशित किया जाना चाहिए और यदि कोई हो तो, भारतीय अभिकर्ता का कमीशन विकाल देना

चाहिए। किसी भी परिस्थिति में भारतीय प्रधिकार का मूल्य किसी अस्पृश्य सुना में प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत एवं भाड़ा राशि अलग से वर्णीय जानी चाहिए, किन्तु संविदा में यह स्वतः स्पष्ट होना चाहिए कि भाड़े का भुगतान आस्तिक प्राधार पर किया जाएगा अथवा उसमें दर्शाया गया भाड़ा आस्तिक सभी के अतिरिक्त भुगतान की राशि होगा।

1 (6) क्य संविद जापानी राष्ट्रियों के साथ केवल जापानी येन में की जानी चाहिए।

खण्ड-2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान स्पष्ट रूप से समाख्य होने चाहिए :-

2 (1) ठेके की व्यवस्था 1981-82 के लिए येन 1.5 बिलियन के अनुदान सहायता के अनुसार भारत और जापान की सरकारों के बीच हुए 6 फरवरी, 1982 को हुए समझौते के अनुसार होनी चाहिए और दोनों सरकारों के अनुमोदन के प्रधीन होगी।

2 (2) संभरकों को भुगतान 'भुगतान के अधिकार' (ए/पी) के माध्यम से किए जाएंगे। जो 1981-82 के लिए जापान अनुदान सहायता के प्रत्यर्गत बैंक आफ ईडिया, टोकियो के लिए सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू सी बैंक बैंक बिलिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किए जाएंगे।

2 (3) जापानी संभरक ऐसी सूचनाओं एवं वास्तविकों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होंगे जो एक और भारत सरकार एवं दूसरी और जापानी सरकार द्वारा प्रयोक्त होंगे।

2 (4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पौत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए वह भारतीय दूतावास, टोकियो को आमिल भाल की सुपुर्देनी के कार्यक्रम से भवगत कराएगा और पौत लाना से कम से कम छ: सप्ताह पूर्व भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष भागलों में, जहाँ आयातक हजार हो, सूचना की इस प्रवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक का प्रयोक्त पौत-लदान के पश्चात आवश्यक ब्यौरा देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-3 भारत और जापान की सरकारों द्वारा ठेके का अनुमोदन

3 (1) जैसे ही आवेदों को अभियान रूप दे दिए जाते हैं, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए क्य प्रावेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में गुरुदर्शक आवेदा की धार प्रतियां या मध्ये प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध 1 के प्रपत्र में "(ए/पी) जारी करने के आवेदन" की 2 फोटो प्रतियों प्रबंध संचित (टी ए) प्रार्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, मार्य व्लाक, मई 1982 को भेजी जाएंगी। उपर्युक्त प्रक्रिया संविदा की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधमों में उपर्युक्त सभी संविदा संशोधनों के लिए भी नामू होंगी।

3 (2) वित्त मंत्रालय (डी ई.ए) जापान अनुभाग 1981-82 के लिए 1.5 बिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के प्रधीन वित्त दान देने के लिए संविदा की एक प्रति जापान सरकार को अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित वस्तविकों का एक सेट सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3 (3) जापान सरकार से डेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग, मार्य व्लाक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, प्रार्थिक कार्य विभाग

वित्त मंत्रालय, यू०सी०ओ० बैंक बिलिंग संसद भाग, नई दिल्ली-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ ईडिया टोकियो को अनुबन्ध 2 के अनुसार एक "भुगतान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास टोकियो, आयातक, भारत के आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, प्रार्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएंगी।

3 (4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ ईडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का दूतावास टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति की सूचना से जापानी संभरक को भवगत कराएंगे।

3 (5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक प्रपत्र बैंकरों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ ईडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ ईडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित छनराशि को जापानी संभरक को प्रपत्र बैंकरों के माध्यम से दिए करेगा।

3 (6) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ ईडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखे भो प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से संबंध बैंक द्वारा बैंक आफ ईडिया टोकियो को घन परेषित करके नियंत्रित किया जाएगा।

खण्ड-4 दरमा जमा करने का वायिन्व

4(1) मूल विनियम पोत परिवहन दस्तावेज नियंत्रित स्पष्ट से बैंक आफ ईडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंदू बैंक को भेजे जाएंगे। जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक जो अनुबन्ध-1 (ठ) में उल्लिखित है, की शाखा होगी। इस बैंक को दस्तावेजों के ये विनियम दस्तावेज केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही संबंध आयातक को देनी चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन घनराशि के के बराबर रूपया विनियमित के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा करा दिया जाया है।

"आयातक प्रथात भारतीय दस्तावेज प्राधिकरण लि० (सेल) आयातित इस्पात की छड़ों की लागत जमा करायेगा जिसकी गणना इस्पात की मूल कीमत के आधार पर होगी, इसमें से आयातक द्वारा चुकाया गए सीमा मूल्य कर की घनराशि बटा दी जाएगी और लागत एवं भाड़ा मूल्य की 4% घनराशि सेवा छाड़ों के रूप में और अन्य खर्च जैसे संचालन, रेलवे भाड़ा आदि बटा दिए जाएंगे। आयातित इस्पात की छड़ों के लागत एवं भाड़ा मूल्य और आयातक द्वारा ऊपर थाया उल्लिखित वास्तव में जमा कराई गई घनराशि दोनों के बीच में आने वाले भस्तर के बाद में इस्पात विभाग द्वारा सी ए ए एंड ए को देय सहायता की घनराशि समर्जित कर दिया जाएगा और 1982-83 में बजट में लगाया जाएगा। इस्पात विभाग और सी ए ए एंड ए के बीच समर्जित की जाने योग्य घनराशि पर भारतीय बैंक टोकियो द्वारा जापानी संभरक को किए जाने योग्य भुगतान की विभाग की गणना करते के बाद विभाग द्वारा भुगतान के बीच की घवधि के लिए और उनके द्वारा भारत में प्रपत्र बैंकरों में किए गए वास्तविक नियोग की तारीख के बीच की घवधि के लिए आयातक को किसी भी प्रकार का व्याज प्रभार नहीं देना पड़ेगा।"

ये एम भुगतान के समतुल्य रूपये की गणना करने के बाद अपनाई गई मूल विनियम की दर मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित की भार्जनिक सूचना सं० ८-चाहौदी सी (पीएन)/76 विनाक 17-1-76 में यथा निर्धारित मूल विनियम की प्रचलित विभाग दर या समय-समय पर मूल्य नियंत्रक, आयात-



- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता  
 (ख) प्रधिकारित के तरीके—यथा यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या सीमित खुली निवाप पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि यथा संविदा का निर्णय उपयुक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (ग) माल का संक्षिप्त विवरण  
 (घ) माल का उद्घाटन देश।  
 (ङ) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)  
 (च) यदि कोई हो तो भारतीय रूपय में भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि (येन में)  
 (छ) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।  
 (ज) जापानी संभरकों के साथ की गई संविदा की संभ्या और दिनांक  
 (झ) जापानी संभरक का नाम और पता।  
 (झ) वे भुगतान भार्ते और संभावित तिथि जिनको संविदाओं के अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।  
 (झ) माल की मुद्रिती पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथियाँ।  
 (ठ) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करते समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज़ (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।  
 (उ) पोतलदान अनुदेश (अनुमेय या गैर अनुमेय आहमात्मरण/प्रांशिक पोतलदान निर्धारण कीजिए।)  
 (४) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

भववीय,

अनुबन्ध-३

सं० एफ

भारत सरकार

आणिज्य मंत्रालय

(प्रांशिक कार्यालयाग)

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)

विषय:— 1981-82 के लिए येन 1.5 विलियन की जापान अनुदान सहायता के अधीन छोटे आकार की इस्पात की छड़ों के आयात के लिए भुगतान प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा परियोग्य में दिए गए यथा संलग्न औरे के अनुसार सर्वे श्री येन 1.5 विलियन की धनराशि के भुगतान के लिए प्रधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के पारे में संभरकों को मूल्याना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पुष्टाकृत की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परियोग्य में यथा संकेतित लावान दस्तावेजों के आधार पर किया जायगा।

4. आयातक द्वारा आपको वस्तावेज संभरकों एवं बैंकों के प्रभार की भेजने प्रादि के लिए भार्ते महिन प्रश्न किए जाने वाले बैंकिंग भार्ते आयातक के बैंक द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लावान दस्तावेज प्रादि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्रधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र ..... तक बैंक रहेगा।

भववीय,  
(सेवा प्रधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक ..... को उनके पत्र सं० ..... दिनांक ..... के सदर्श में।

2. आयातक का बैंक ..... उनसे निवेदन किया जाए है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, श्रीनगर से दस्तावेज प्राप्त करने पर जापानी संभरकों को येन भुगतान के बराबर रूपय की गणना मार्वेजनिक सूचना सं० ४-आई टी सी (पीएन)/७६ दिनांक १७-१-७६ या प्रत्ये ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समर्थनमय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रबलित परियोग्यन की मिश्रित वर पर की जाएगी। यह मुनिशिवत कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा-शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल मेट विदेशी संभरकों से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

मेरे धनराशियों या तो रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में जमा करनी चाहिए या स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा या इसकी मुद्रिती संभावितों या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा, दिल्ली-६ (आवैशित और आदाता) के नाम में और उसको देय दर्यानी द्वारा के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० २३३-साई टी सी (पीएन)/६८ दिनांक २४-१०-६८ सं० १३२-आई टी सी (पीएन)/७१ दिनांक ५-१०-७१ से ७४-आई टी सी (पीएन)/७४ दिनांक ३१-५-७४ और सं० १०३-आई टी सी (पीएन) ७६ दिनांक १२-१०-७६ की शर्तों की ओर विलाया जाता है। लेखा शीर्ष जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह “के डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिंज ८४३ मिलियन लिपिट्रस—डिपाजिट्स फार परवेजिज एटसेक्ष्टा एनाड-परचेजिज आप्ट एड फ्राम वि गवर्नरेंट आफ जापान फार १९८१-८२ है और विस्तृत लेखा शीर्षक “छोटे आकार की इस्पात की छड़ों के आवात के लिए जापान से येन १.५ विलियन अनुदान सहायता है” “येन ५० मिलियन ग्रान्ट एड फार परवेज आफ दि जिमनास्टिक एण्ड स्पोर्ट्स एविवेपमेंट/मर्टिमिज फार दि परपत्र आफ प्रोमोटिंग फिजीकल एज्यूकेशन एण्ड स्टोर्ट्स डेवलपमेंट इन इंडिया” है।

जिन मामलों में तुल्य रूपया रिजर्व बैंक आफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी में मार्वेजनिक सूचना सं० १३२-आई टी सी (पीएन)/७१ दिनांक ५-१०-७१ के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें जालान की मूल रूप में एक प्रति लिपि बैंक आफ इंडिया

टोकियो शास्त्रा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देते हुए प्रग्रेषण पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी : -

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियन्त्रक,  
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)  
पहली बैंगिल, यू सी बैंक बिल्डिंग,  
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में तुम्हें रूपया ऊपर संकेतिक सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित वर्षों में हुए हो द्वारा प्रेषित करता है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में व्याप्र की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुम्हें रुपए का पूरा और इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंकर के बचों सहित यदि कोई हो तो, बैंकिंग अर्चें और बैंक आफ इंडिया, टोकियो बैंच के अन्य अर्चें इंडियन बैंक और बैंक आफ इंडिया, टोकियो शास्त्रा द्वारा सीधे ही नियंत्रित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव (टी.ए.) शास्त्रा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखाधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE

#### Import Trade Control

#### PUBLIC NOTICE NO. 22-ITC(PN)/82

New Delhi, the 24th April, 1982

**Subject.**—Licensing condition for import of small size steel bars and services necessary for the transportation thereof to ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 1.5 billion.

**File No. IPC/23(28)/82.**—The terms and conditions governing the issuance of import licences in respect of import of small size steel bars and services from Japan under Japanese Grant Aid of Yen 1.5 billion for 1981-82 as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller  
Imports and Exports.

### APPENDIX TO MINISTRY OF COMMERCE PUBLIC NOTICE

No. 22 ITC (PN)/82 Dated the 24-4-1982.

Licensing Conditions for import of small size steel bars & services necessary for the transportation thereof two ports in India from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 1.5 billion.

#### Section I-General Conditions

I(i) The Japanese Grant Aid for 1981-82 of yen 1.5 billion (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of small size steel bars and services necessary for their transporation to ports in India by the Steel Authority of India Ltd. This grant aid is valid upto 5-2-1983.

I(ii) All banking charges payable to the Bank of India, Tokyo may be remitted through normal banking channels. Payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India.

I(iii) The steel bars and services incidental thereto should be procured only from Japan under this Grant Aid.

I(iv) The contract should provide for payment on cash basis i.e., on presentation of shipping documents by the Japanese

suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows :—

"delivery to be completed by 31-1-1983"

I(v) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost & freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I(vi) The purchase contract should be entered into only in Japanese yen with the Japanese nationals.

#### Section II—The following provision should specifically incorporated in the supply contract :—

II(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 6th February, 1982 between the Governments of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 1.5 billion for 1981-82 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods invoiced and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

#### Section III—Contract Approval by Governments of India and Japan

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respect together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex. I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 1.5 billion, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo the importer, importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers, Bank in India and the C. A. A. & A.

III(v) The Japanese supplier shall after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

#### Section IV—Responsibility for rupee deposit

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (n) in Annexure-I who should release those negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier is deposited into Government of India accounts as described below :

"The importer i. e. Steel Authority of India Ltd. (SAIL) would deposit the cost of the imported steel bars computed on the basis of the indigenous price of steel reduced by the amount of customs duty paid by it plus 4% of the service charges on C&F value and other charges like handling, railway freight etc. The difference between the C&F value of the imported steel bars and the amount actually deposited by the importer as stated above would be later adjusted in the subsidy payable by the Department of Steel to CAA&A and budgeted for in 1982-83. No interest charges would be payable by the importer on the amount which will be adjusted between the Deptt. of Steel and CAA&A and for the period of difference between the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier and the date of actual rupee deposits made by them with their bankers in India."

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Govt. from time to time through Public Notices of CCI&E or through Exchange Control Circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The import should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers.

The Head of Account to which the above rupee deposit should be credited is "K-Deposits and Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc. abroad purchase under Grant Aid from the Government of Japan" for 1981-82, Grant for purchases of the steel items.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi, or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC (PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968 and No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971.

IV(iii) While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC (PN)/71 dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.
- (d) Total amount deposited.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note: Importer's Banks in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV(iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

#### Section V—Miscellaneous provisions

##### V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Old Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

##### V(ii) Notifying Suppliers of Special Conditions

The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of steel items under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

##### V(iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

##### V(iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1981-82 from Japan.

## V(v) Breach or violation

Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

## V(vi) List of Annexures :

- Annexure I—Request for issue of A/P
- Annexure II—Form of A/P

## ANNEXURE I

## "REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

TO

The Controller of Aid Accounts & Audit,  
Ministry of Finance,  
Department of Economic Affairs,  
UCO Bank Building, 1st Floor,  
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject : Import of small size steel bars & services necessary for the transportation thereof to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

Sir,

In connection with the import of steel items from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and Address of the Indian importer
- (b) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (c) Brief description of the goods
- (d) Origin of the goods
- (e) Gross C&F Value of contract (in Yen).
- (f) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any payable in Indian rupees.
- (g) Net C&F Value (in yen) for which the A/P is required.
- (h) Number & date of the contract with Japanese Suppliers.
- (i) Name and Address of the Japanese Supplier.
- (j) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (k) Expected date of completion of deliveries.
- (l) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (m) Shipment instructions (indicate if transhipment/partshipment permitted or not permitted).
- (n) Name and Address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

## ANNEXURE II

No. F.

Government of India  
Ministry of Finance  
(Department of Economic Affairs)

To

The bank of India  
Tokyo Branch  
Tokyo (Japan).

Subject : Import of small size steel bars under Japanese Grant Aid of Yen 1.5 billion for 1981-82—Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated..... entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen to M/s..... as per details given in the Appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents, and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents etc. presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto.....

Yours faithfully,  
Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer.....with reference to their letter No. ....

2. Importer's Banker..... They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-76 or such other Public Notices as may be issued from time to time. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

These amounts should be deposited either with the R.B.I., New Delhi or the S. D. I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S. B. I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Darwae) drawn on and made payable to the S. B. I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC (PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC-(PN)/71 dated 5-10-1971 No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-74 and 103-ITC (PN)/7, dated 12-10-1976. The head of Account to be credited i 'K-Deposits & Advances-843-CIVIL Deposits for purchase etc. abroad Purchases under Grant Aid from Govt. Japan for 1981-82' under detailed head "Y-1.5 billion grant aid for import of small size steel bars from Japan".

One copy of the challan in original in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the R. B. I., New Delhi or the S. B. I., Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations there of

should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.